The Research Dialogue
An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-2, July-2023
www.theresearchdialogue.com

भारत में पर्यटन द्वारा उत्पन्न रोजगार के अवसरों का विश्लेषणात्मक अध्ययन (उत्तर प्रदेश के विशेष संदर्भ में)

शिवम मिश्र
शोध छात्र,वाणिज्य
डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय
अयोध्या (उ0प्र0

प्रो0 विजय कुमार अग्रवाल
वाणिज्य विभाग
श्री लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर
महाविद्यालय गोंड़ा (उ0प्र0)

सारांश –

भारत के प्रमुख उद्योगों में से एक पर्यटन उद्योग भारत का एक रोजगार प्रदाता है जिसमें 137 मिलियन लोग रोजगार में लगे हैं कोविड–19 के दौरान इस उद्योग पर सर्वाधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ा जिसके कारण न केवल राष्ट्र की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ा अपितु इससे जुड़े लोग भी आजीविका के संकट से जूझने लगे ऐसे में आत्मनिर्भर भारत योजना ने इस क्षेत्र के लिए संजीवनी का काम किया अब यह अनुमान व्यक्त किया जा रहा है कि यह क्षेत्र वर्ष 2030 तक 250 बिलियन का हो जाएगा । हाल ही में आए जॉब इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार, जून 2022 से अगस्त 2022 के मध्य तीन महीनों के दौरान टूर एंड ट्रेवल उद्योग में नए रोजगार के अवसरों में अत्यधिक वृद्धि दर्ज की गई है, जो भारत के लिए रोजगार की दृष्टि से पर्यटन में बहुत अच्छा संकेत माना जा रहा है। कोविड19 महामारी के दौर का असर कम होने के बाद अन्य उद्योगों के साथ ही पर्यटन उद्योग भी अब तेजी से वृद्धि कर रहा है। भारत में वित्त वर्ष 2022–23 के जून–अगस्त 2022 की अवधि के दौरान यात्रा और पर्यटन उद्योग में रोजगार के नए अवसरों में 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मासिक आधार पर रोजगार के नए अवसरों में 8 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। 2 यह केंद्र सरकार द्वारा पर्यटन उद्योग को

प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से समय समय पर लिए गए निर्णयों के चलते ही सम्भव हो पाया है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश का योगदान इसमें अत्यधिक रहा है।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है कि आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत भारत में उपस्थित संसाधनों से बनी वस्तुओं को भारत मे ही उपयोग मे लाना और रोजगार के अवसर में वृद्धि करना है ।जिससे रोजगार के नए अवसर सामने आएंगे और समावेशी विकास की धारणा धरातल पर फलीभूत होती दिखेगी। पर्यटन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के अनेकों संभावनाओं और रोजगार की आशातीत वृद्धि की परिकल्पना साकार होती दिख रही ।

मुख्य शब्द– *संजीवनी, समावेशी विकास, कोविड 19, आजीविका*

पर्यटन क्षेत्र का आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत विकास– कोविड–19 महामारी के अंतर्गत ना केवल भारत में अपितु वैश्विक स्तर पर जो उद्योग सर्वाधिक प्रभावित हुआ है वह पर्यटन उद्योग था जिसके परिणाम स्वरूप भारत में अनेकों लोगों की आजीविका पर संकट आ गया किंतु आत्मनिर्भर भारत योजना में इस क्षेत्र के लिए संजीवनी का काम किया है इस योजना के द्वारा क्षेत्र लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है जिससे क्षेत्र की खोई हुई पहचान पुनः स्थापित हो सके कोविड–19 से पूर्व पर्यटन क्षेत्र का वैश्विक जीडीपी में 10 परसेंट का योगदान था और 320 मिलियन लोग रोजगार में थे कोविड–19 रण विदेशी पर्यटन में 910 बिलियन से 1.2 ट्रिलियन डॉलर की गिरावट आई है संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने कहा था 2020 में वर्ष 2019 की तुलना में 74 परसेंट की गिरावट आई थी किंतु वर्तमान परिवेश में चीजें धीरे–धीरे सामान्य हो रही है जिससे विकास की दर दिन–ब–दिन बढ़ रही है ।

अभी हाल ही में जारी की गई सीधी नियुक्ति मंच हायरेक्ट की 'जॉब इंडेक्स रिपोर्ट' के अनुसार, जून 2022 से अगस्त 2022 के तीन महीनों के दौरान टूर एंड ट्रेवल उद्योग में नए रोजगार के अवसरों में जोरदार तेजी देखी गई है, जो भारत के लिए रोजगार की दृष्टि से बहुत अच्छा संकेत माना जा सकता है। दरअसल कोविड महामारी के दौर का असर कम होने के बाद अन्य उद्योगों के साथ ही पर्यटन उद्योग भी अब तेजी से वापस पटरी पर आ गया है। भारत में वित्त वर्ष 2022–23 के जून–अगस्त 2022 की अवधि के दौरान यात्रा और पर्यटन उद्योग में रोजगार के नए अवसरों में 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मासिक आधार पर रोजगार के नए

अवसरों में 8 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। यह सब केंद्र सरकार द्वारा पर्यटन उद्योग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से समय समय पर लिए गए निर्णयों के चलते ही सम्भव हो पाया है।

यात्रा एवं पर्यटन क्षेत्र, वर्तमान में भारत का तीसरा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा अर्जन करने वाला क्षेत्र है। साथ ही, देश के सकल घरेलू उत्पाद में भी इस क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

पर्यटन उद्योग में कई प्रकार की आर्थिक गतिविधियों का समावेश रहता है। यथा, अतिथि सत्कार, परिवहन, यात्रा इंतजाम, होटेल आदि। इस क्षेत्र में व्यापारियों, शिल्पकारों, दस्तकारों, संगीतकारों, कलाकारों, होटेल, वेटर, कुली, परिवहन एवं टूर आपरेटर आदि को रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। दिनांक 4 सितम्बर 2019 को वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, विश्व यात्रा पर्यटन प्रतियोगी सूची में भारत की रैंकिंग वर्ष 2017 के 40वें स्थान से ऊपर उठकर वर्ष 2019 में 34वें स्थान पर आ गई है। यह रैंकिंग वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम द्वारा प्रत्येक 2 वर्ष में एक बार जारी की जाती है। वर्ष 2015 में जारी की गई सूची में भारत की रैंकिंग 52वें स्थान पर थी। इस प्रकार पिछले 4 वर्षों के दौरान भारत ने इस रैंकिंग में 18 स्थानों की छलांग लगाई है। एशियाई देशों में निम्न मध्य–आय श्रेणी के देशों में केवल भारत ही एक ऐसा देश है जो इस सूची में प्रथम 35 स्थानों के अंदर अपनी जगह बना पाया है। अन्यथा, इस सूची में विकसित एवं मध्य आय श्रेणी के देशों का ही वर्चस्व है।भारत में तो हम "अतिथि देवो भव" के विचारों पर चलने वाले लोग हैं। परंतु, भारत की तुलना में अन्य देशों में पर्यटकों का आवागमन अधिक है। वर्ष 2018 में सबसे अधिक पर्यटक फ्रांस (8.94 करोड़), स्पेन (8.28 करोड़), अमेरिका (7.96 करोड़), चीन (6.29 करोड़) एवं इटली (6.21 करोड़) में पहुंचे। जबकि भारत में केवल 1.74 करोड़ पर्यटक ही पहुंचे थे। पूरे विश्व में 140.1 करोड़ पर्यटकों ने विभिन्न देशों की यात्रा की। वर्ष 2018 में टर्की एवं वियतनाम ने पर्यटन में क्रमशः 21.7 प्रतिशत एवं 19.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। जबकि भारत ने 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी। इस वृद्धि दर को बहुत अधिक तेजी से बढ़ाने के प्रयास करने होंगे। भारत में अध्यात्म (योगा, ध्यान, आश्रमों में भ्रमण), मेडिकल, शिक्षा, आदि क्षेत्रों में टुरिजम की असीम सम्भावनाएं मौजूद हैं। एतिहासिक महत्व के कई स्थान एवं बौध धर्म, इस्लाम धर्म, सिख धर्म एवं हिन्दू धर्म के कई धार्मिक स्थलों को विकसित किया जाकर विदेशी पर्यटकों को देश में आकर्षित किया जा सकता है। भारत सरकार द्वारा भी देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई उपाय किए जा रहे हैं। इनमें मुख्य हैं, स्वदेशी दर्शन

योजना के अन्तर्गत 13 थिमेटिक सर्कट्स का विकास किया जाना, मेडिकल पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेडिकल वीजा आसानी से जारी किया जाना, इनक्रेडिबल इंडिया अभियान–2 को प्रारम्भ किया जाना, सरदार वल्लभ भाई पटेल की विश्व में सबसे लम्बी 182 मीटर की स्टैचू की स्थापना किया जाना तथा होटेल एवं पर्यटन के क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा को बढ़ाकर 100 प्रतिशत किया जाना, आदि शामिल हैं। भारतीय पर्यटन उद्योग में 87 प्रतिशत हिस्सा देशी पर्यटन का है जबकि शेष केवल 13 प्रतिशत हिस्सा ही विदेशी पर्यटन का है।

उत्तरप्रदेश में पर्यटन से उत्पन्न रोजगार का विश्लेषण – विशेष रूप से उत्तर प्रदेश का योगदान पर्यटन में बहुत अधिक रहा है। वाराणसी, अयोध्या, मथुरा, नैमीशारण्य आदि जैसे धार्मिक शहरों में तो पर्यटकों की संख्या में अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। पर्यटन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश राज्य लगातार आगे बढ़ रहा है। केवल वाराणसी की ही चर्चा की जाये तो वाराणसी में पर्यटन के क्षेत्र में केवल 4 चार वर्षों में 10 गुना से अधिक की वृद्धि देखी गई है। श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद से पर्यटकों की संख्या में बड़ा उछाल आया है। धार्मिक आयोजनों के इत्तर वाराणसी शहर में वाटर टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसके अंतर्गत चार क्रूज संचालित किए जा रहे हैं। देव दीपावली के साथ ही गंगा आरती, पंचकोसी यात्रा, अंतरग्रही परिक्रमा, घाटों का सुंदरीकरण, सारनाथ का विकास, गलियों का कायाकल्प भी पर्यटकों को बहुत लुभा रहा है। भारत में प्राचीन समय से धार्मिक स्थलों की यात्रा, पर्यटन उद्योग में, एक विशेष स्थान रखती है। एक अनुमान के अनुसार, देश के पर्यटन में धार्मिक यात्राओं की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से वाराणसी को न केवल आस्था के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है बल्कि इस प्रकार की व्यवस्थाएं भी खड़ी की जा रही हैं कि यहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजित किए जा सकें। वाराणसी में शीघ्र ही एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का इनडोर स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2022–23 के बजट में 95 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस भव्य इनडोर स्टेडियम में बैडमिंटन, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, वेटलिफ्टिंग, स्क्वैश, कॉम्बैट जैसे 20 से अधिक इनडोर खेल खेलने की सुविधा होगी। यह मल्टी–लेवल, मल्टी–स्पोर्ट्स इनडोर स्टेडियम, पैरा स्पोर्ट्स के मानकों को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है।

दरअसल पर्यटन एक ऐसा उद्योग है जिसमें कम निवेश से रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित किए जा सकते हैं। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा किए गए एक आकलन के अनुसार पर्यटन पर प्रति 10 लाख रुपए के निवेश पर 47.5 रोजगार के नए अवसर प्रतिपादित होते हैं जबकि कृषि एवं विनिर्माण के क्षेत्र में इसी निवेश की राशि से क्रमशः 44.7 एवं 12.6 रोज़गार के अवसर प्रतिपादित होते हैं। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2017–18 में देश में 8.11 करोड़ लोगों को पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा था, जोकि देश में कुल रोजगार के अवसरों का 12.38 प्रतिशत था। इस उद्योग में रोजगार एवं विदेशी मुद्रा अर्जन की असीम सम्भावनाएं मौजूद हैं।

जब आत्मनिर्भर योजना का ऐलान हुआ तब से सरकार यह प्रयासरत रही है भारत का प्रत्येक उद्योग पर्यटन विभाग बीमा एवं बैंकिंग रक्षा विनिर्माण आदेश के अंतर्गत अपने विकास को गति प्रदान करें इस बात को माननीय प्रधानमंत्री जी ने अगस्त 2021 के कनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज सम्मेलनमें जोर देकर कहा ।

वर्तमान परिपेक्ष में यदि इसका विश्लेषण किया जाए तो भारत के उद्योगों का तीव्र विकास पिछले वर्षों में बेहतर परिणाम दे रहा है।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. Invest India.gov.in

2https://www.google.com/amp/s/hindi.business-standard.com/india-news/large-scale-private-investment-will-give-wings-to-the-tourism-industry-in-uttar-pradesh/amp

3. https://imf.org

4. https://www.unwto.org

5–https://dhyeyaias.com/hindi/current-affairs/perfect-7-magazine/indias-tourism-sector

6–https://www.amarujala.com/uttar-pradesh/faizabad/ayodhya-will-become-the-new-center-of-up-s-economy

7–https://ayodhyasamachar.com/singledisplaynewsWithphoto.php?id=54930

8- प्रधानमंत्री जी का राष्ट्र के नाम संबोधन पत्र सूचना कार्यालय 12 मई 2020

9- https://www.google.com/amp/s/www.prabhasakshi.com/amp/news/as-tourism-sector-recovers-rapidly-employment-opportunities-have-increasing.

THE RESEARCH DIALOGUE

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-2, July-2023
www.theresearchdialogue.com
Certificate Number July-2023/05

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

शिवम मिश्र एवं प्रो0 विजय कुमार अग्रवाल

for publication of research paper title

भारत में पर्यटन द्वारा उत्पन्न रोजगार के अवसरों का विश्लेषणात्मक अध्ययन (उत्तरप्रदेश के विशेष संदर्भ में)

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and

E-ISSN: 2583-438X, Volume-02, Issue-02, Month July, Year-2023.

Dr.Neeraj Yadav
Executive Chief Editor

Dr.Lohans Kumar Kalyani
Editor-in-chief

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com